डॉ. विक्रम साराभाई की 106वीं जयंती

चर्चा में क्यों?

डॉ. विक्रम साराभाई (12 अगस्त 1919 – 30 दिसंबर 1971), जिन्हें व्यापक रूप से भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम के जनक के रूप में जाना जाता है, की **106वीं जयंती 12 अगस्त, 2025 को** श्रद्धापूर्वक मनाई गई।

प्रमुख बिंदु

डॉ. विक्रम साराभाई के बारे में:

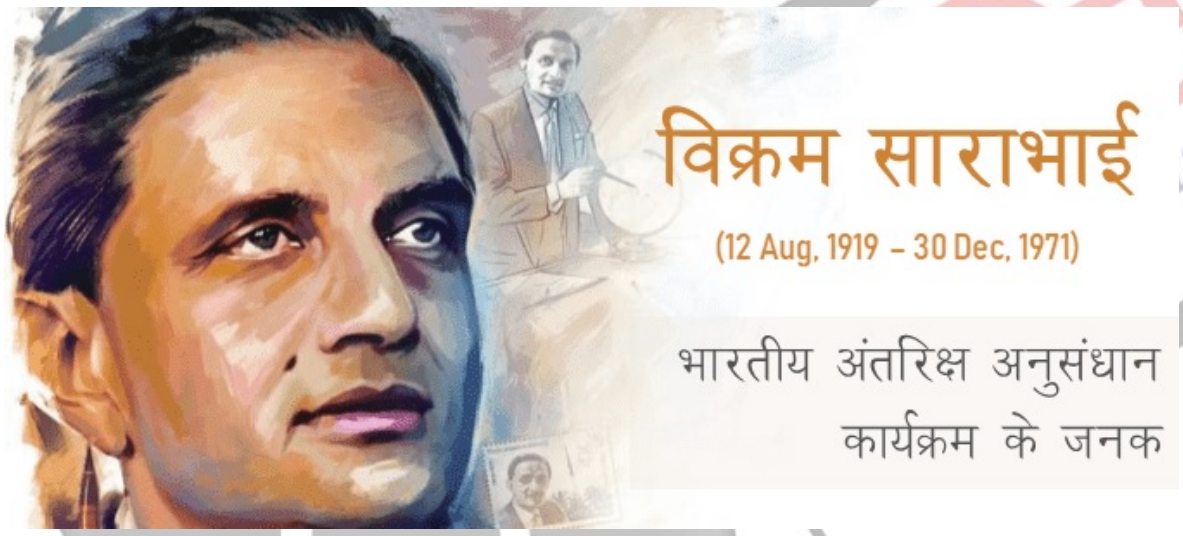

- **प्रारंभिक जीवन और शिक्षा:**
  - 12 अगस्त 1919 को अहमदाबाद, गुजरात में एक संपन्न जैन परिवार में जन्मे साराभाई अंबालाल और सरला देवी की आठ संतानों में से एक थे।
  - इन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से **भौतिकी एवं गणित में स्नातक उपाधि** प्राप्त की।
  - **भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc) बंगलूरू** में नोबेल पुरस्कार विजेता सी.वी. रमन के निर्देशन में पीएचडी पूरी की, जिसका शोध प्रबंध "कॉस्मिक किरणों का समय वितरण" शीर्षक से वर्ष 1942 में प्रकाशित हुआ।
- **संस्थानिक धरोहर:** डॉ. साराभाई ने कई संस्थानों की स्थापना में प्रमुख भूमिका निभाई है जो भारत के वैज्ञानिक और औद्योगिक परिदृश्य को आकार देने में महत्त्वपूर्ण रही हैं जैसे:
  - भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (PRL), अहमदाबाद: **वर्ष 1947** में स्थापित, PRL के साथ ही संस्थाओं के निर्माण की दिशा में साराभाई की यात्रा की शुरुआत हुई।
  - **भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM), अहमदाबाद:** इसके निर्माण में इनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका रही।
  - **सामुदायिक विज्ञान केंद्र, अहमदाबाद:** इसे विज्ञान शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये वर्ष 1966 में स्थापित किया गया।
  - **दर्पण एकेडमी फॉर परफॉर्मिंग आर्ट्स, अहमदाबाद:** इसे इन्होंने अपनी पत्नी मृणालिनी स्वामीनाथन के साथ मिलकर स्थापित किया।
  - विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC), तिरुवनंतपुरम: भारत के अंतरिक्ष अभियानों का प्रमुख केंद्र।
- **भारतीय अंतरिक्ष और परमाणु कार्यक्रमों में योगदान:**
  - भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO): उन्होंने सामाजिक विकास के लिये अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के महत्त्व पर ज़ोर देते हुए ISRO की स्थापना में भूमिका निभाई।
  - **सैटेलाइट इंस्ट्रक्शनल टेलीविज़न एक्सपेरीमेंट (SITE):** NASA के साथ मिलकर तैयार किये गए SITE से ग्रामीण क्षेत्रों में शैक्षिक कार्यक्रमों का प्रसारण होने के साथ दूरदर्शन के कृषि दर्शन जैसे कार्यक्रमों का आधार तैयार हुआ।
  - आर्यभट्ट उपग्रह: इनके नेतृत्व में भारत के पहले उपग्रह, आर्यभट्ट का निर्माण आरंभ किया गया, जिसे वर्ष 1975 में रूसी कॉस्मोड्रोम

से प्रक्षेपित किया गया।
    - **परमाणु ऊर्जा आयोग:** होमी भाभा की मृत्यु के बाद इसके अध्यक्ष बने तथा **परमाणु विज्ञान** को आगे बढ़ाने में भूमिका निभाई।
- **पुरस्कार और सम्मान:**
    - **पुरस्कार:**
        - शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार (1962)
        - **पद्म भूषण (1966)**
        - **पद्म विभूषण (मरणोपरांत, 1972)**
    - **प्रतिष्ठित पद:**
        - भारतीय विज्ञान कॉन्ग्रेस के भौतिकी अनुभाग के अध्यक्ष (1962)
        - अध्यक्ष, IAEA का महासम्मेलन, वियना (1970)
        - परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग पर चौथे संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के उपाध्यक्ष (1971)
    - **शीर्षक: .**
        - भारतीय विज्ञान के **महात्मा गांधी** (पूर्व राष्ट्रपति **ए.पी.जे. अब्दुल कलाम** द्वारा)।
    - **विरासत:**
        - विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (VSSC) का नाम उनके सम्मान में रखा गया।
        - एक चंद्र क्रेटर, "साराभाई क्रेटर" का नाम उनके नाम पर रखा गया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/106th-birth-anniversary-of-dr-vikram-sarabhai